सोनम की दो सहेलियों के बयान हुए दर्ज

राजा रघुवंशी केस : एक का बयान पूरा

- अदालत ने पहले दीपांशी को गवाह के रूप में बुलाया
- वे ई सेवा प्लेटफॉर्म के जरिए सुनवाई से जुड़ीं

नव भारत न्यूज

इंदौर, 11 दिसंबर. राजा रघुवंशी हत्याकांड की सुनवाई में गुरुवार को मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की दो सहेलियां अदालत के सामने पेश हुईं. शिलांग कोर्ट में हुई कार्यवाई में दोनों युवतियां इंदौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ीं.

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुनवाई के दौरान सोनम की सहेलियां दीपांशी और प्रियांशी अदालत के समक्ष पेश हुईं. दोनों फिलहाल सोनम के भाई गोविंद की फैक्ट्री में कम्प्यूटर संबंधी कार्य देखती हैं. वे ई सेवा प्लेटफॉर्म के जरिए सुनवाई से जुड़ीं, जहां उनके वकीलों की टीम भी मौजूद रही. अदालत ने पहले दीपांशी को गवाह के रूप में बुलाया और उससे सोनम की पहचान कराई. इसके बाद उसके सामने सोनम के स्वभाव, व्यवहार और संबंधों से जुड़े सवाल रखे.

कोर्ट ने यह स्पष्ट करने का प्रयास भी किया कि क्या वह राजा रघुवंशी को जानती थी. पूछताछ के बाद दीपांशी का बयान रिकॉर्ड कर लिया है. वहीं दूसरी ओर प्रियांशी का बयान अगली सुनवाई में दर्ज किया जाएगा. बयान देने के बाद दोनों युवतियां किसी से बातचीत किए बिना वीडियो लिंक डिस्कनेक्ट कर सुनवाई से अलग हो गईं. अदालत अब अगली तारीख पर शेष गवाही दर्ज करेगी, जिसके बाद मामले की आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी.

5 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

एडीएम का स्टेनो ने मांगे थे 20 हजार रुपए

शिवपुरी, 11 दिसंबर. कलेक्ट्रेट परिसर में आज लोकायुक्त ग्वालियर की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. टीम ने एडीएम कार्यालय के स्टेनो मोनू शर्मा को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया. स्टेनो जमीन की नाम दुरुस्ती के नाम पर यह रिश्वत मांग रहा था.

श्रीपुर चक्क गांव के ध्यानेंद्र सिंह पडरैया ने लोकायुक्त से शिकायत की थी कि उनके पिता मनमोहन सिंह की रन्नौद तहसील के बगोरिया में करीब 50 बीघा जमीन है. इस जमीन को फर्जीवाड़ा कर किसी अन्य व्यक्ति ज्ञान सिंह के नाम चढ़ा दिया गया था.जमीन के नाम दुरुस्ती के लिए लगाई गई फाइल तहसील से एडीएम ऑफिस शिवपुरी पहुंची थी. यहां दुरुस्ती के बदले स्टेनो द्वारा 20 हजार रुपए की मांग की गई थी. शिकायतकर्ता के अनुसार स्टेनो ने कहा था कि यह राशि एडीएम से लेकर ऊपर तक जाएगी.

कबाड़ गोडाउन में लगी आग

- लपटे और धूएं का दूर तक दिखा गुबार
- फायर बिग्रेड टीम ने घंटों की मशक्कत से पाया काबू
- आग में होते रहे धमाके लाखों रूपए का सामान स्वाह

नवभारत न्यूज

रतलाम। शहर की हाट की चौकी क्षेत्र के एक कबाड़ के गोदाम में अचानक रात में आग लग गई। अब धीरे-धीरे इतनी तेज हो गई की 3 किमी दूर से आग की लपटे और धूएं का गुबार लोगों ने देखा।

शहर के बीचो-बीच स्थित हाट रोड स्थित लच्छू कबाड़ा के गोडाउन पर देर रात लगभग 12 बजे आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटे कई ऊंची ऊंची दिख रही थी और धुआं पूरे शहर में फैल रहा था।

गनीमत रही कि आग आसपास घरों में आग नहीं पहुंची, नहीं तो बड़ा हादसा हो जाता। आग की सूचना पर एसडीएम, तहसीलदार के प्रशासनिक अधिकारी, सीएसपी सहित थाना प्रभारी पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंच गए थे और आग बुझाने का प्रयास करने में जुटे रहे। देर रात 12 बजे लगी आग इतनी भीषण थी कि देर सुबह तक आग पर काबू नहीं हो पाया गया था। दमकल की करीब 30 फायर लॉरियां आग पर काबू करने के लिए पहुंची। फायर बिग्रेड की टीम ने घंटों की मशक्कत कर आग पर काबू पाया।

धमकों से डरे क्षेत्रवासी-आग इतनी भयानक थी कि आग की लपटे और धुएं का गुबार दूर तक देखा गया। मौजूद नागरिकों के अनुसार गोदाम में धमाके भी हुए।

दुकान मालिक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

कबाड़ की दुकान में आगजनी की घटना घटित होने के बाद कबाड दुकान मालिक दिनेश पिता लक्ष्मीनारायण सोलंकी के विरुद्ध दीन दयाल नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। फायर इंस्पेक्टर ब्रजेश कुशवाह नगर पालिका निगम रतलाम के द्वारा दिनेश पिता लक्ष्मीनारायण सोलंकी के विरूद्ध इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया।

एक नजर में

औद्योगिक क्षेत्र के होटल में देह व्यापार का पर्दाफाश

सौसर. लोधीखेड़ा थाना क्षेत्र के औद्योगिक केंद्र चौराहा के पास स्थित एक होटल में गुरुवार दोपहर पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया। चर्चित एनएन होटल में दबिश के दौरान पुलिस ने सात कमरों से सात जोड़ों को संदेहास्पद स्थिति में पकड़ा, जिनमें एक बुजुर्ग शख्स भी शामिल है। पुलिस टीम को होटल में प्रवेश करते देख होटल संचालक पिछले दरवाजे से फरार हो गया। देर रात तक पुलिस कार्रवाई जारी रही। हालांकि इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। स्थानीय स्तर पर लंबे समय से होटल में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। यह होटल पुलिस जांच चौकी से कुछ ही दूरी पर स्थित है। जानकारी के अनुसार पकड़े गए कुछ जोड़े सौंसर, मोहगांव और लोधीखेड़ा क्षेत्र के बताए जा रहे हैं।

एकलव्य विद्यालय परिसर में दूसरी बार घुसा भालू

सीधी. जिले के कुसमी ब्लॉक के एकलव्य आवासीय स्कूल टमसार में बुधवार शाम एक बार फिर भालू घुस आया. लगातार दो दिनों में भालू के दोबारा परिसर में पहुंचने से छात्रावास में रह रहे 170 बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है. घटना की सूचना वन विभाग को दे दी गई है और क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया गया है. इससे पहले सोमवार को भी भालू पहली बार स्कूल की बाउंड्री कूदकर छात्रावास परिसर तक पहुंच गया था.

इंदौर में ठंड का 27 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

इंदौर. इंदौर में ठंड ने कहर बरपा दिया है. मौसम में तेज ठिठुरन बढ़ गई है. ठंड के प्रकोप का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रात के न्यूनतम तापमान ने पिछले 27 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. रात में इंदौर का तापमान 5 डिग्री से भी कम रहा है.

ठंड का असर तीन दिन तक बने रहने की संभावना है. इंदौर में रिकॉर्ड तोड़ ठंड पड़ रही है. कल बुधवार-गुरुवार को न्यूनतम तापमान 4.5 दर्ज हुआ है. इसके पहले 1999 के दिसंबर में पारा 5 डिग्री से कम दर्ज किया गया था. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1998 के दिसंबर में पारा 5 डिग्री से कम दर्ज हुआ था. इस तरह से करीब 27 साल पहले का रिकॉर्ड इस साल दिसंबर की ठंड ने तोड़ दिया है. यह बात अलग है कि आज दिन में इंदौर का तापमान 28.2 दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री कम है. दिन में ठंडी हवाओं का असर भी जारी है और 8 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चल रही है.

तौल के नाम पर किसानों से ले रहे पैसे

जबलपुर, 11 दिसंबर. जिले में चल रहे धान उपार्जन का जायजा लेने कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह पाटन विकासखंड के पांच धान खरीदी केन्द्रों - सोनतलाई, भोरदा, सरोद, करारी और बोरिया में पहुंचे, जहां उन्होंने केंद्रों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए.

कलेक्टर ने लिया धान खरीदी केन्द्र का जायजा, दिए निर्देश

साथ ही उन्होंने किसानों का रकबा, पंजीयन, स्लॉट बुकिंग, खरीदी गई धान और किसानों की संख्या के बारे में जानकारी ली और किसानों से भी चर्चा की. कलेक्टर ने उपार्जन में पारदर्शिता रखने के लिये खरीदी प्रभारियों से कहा कि बिचोलियों की बातों में न आएं, अगर संदिग्ध आदमी दिखे तो तुरंत एसडीएम को सूचित करें. उन्होंने खरीदी केन्द्र पर बोरी को तौल कराया और सर्वेयर को मॉइस्चर मीटर लगाने के निर्देश दिए. उपार्जन केन्द्र पर सीसीटीवी अनिवार्य रूप से चालू रखने को कहा और फुटेज भी देखे.

कलेक्टर ने कहा कि किसानों से तौल के नाम पर पैसे न लिए जाएं. संबंधित अधिकारियों से कहा कि प्रतिदिन खरीदी का भौतिक सत्यापन कराना सुनिश्चित करें. भोरदा और बोरिया में स्वसहायता समूहों द्वारा धान उपार्जन की जा रही है, कलेक्टर श्री सिंह ने स्वसहायता समूह की महिलाओं से कहा कि वे सावधानी पूर्वक शासन के नियमों के अनुरूप उपार्जन प्रक्रिया पूर्ण करायें.

सांसद ने की मजदूरी बढ़ाने की मांग की

आलीराजपुर, 11 दिसंबर. रतलाम- झाबुआ संसदीय क्षेत्र की सांसद अनिता नागरसिंह चौहान ने लोकसभा में ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की गंभीर समस्या को उठाते हुए मध्यप्रदेश में मनरेगा की मजदूरी दर बढ़ाने की जोरदार मांग की.

उन्होंने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि उनका संसदीय क्षेत्र ग्रामीण बाहुल्य है, जहां गरीब किसान परिवारों में सदस्यों की संख्या के अनुपात में खेती की भूमि पर्याप्त नहीं है. इसके कारण क्षेत्र के लोग गुजरात तथा अन्य राज्यों में मजदूरी के लिए पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं. इस पलायन को रोकने के लिए मध्यप्रदेश में मनरेगा की मजदूरी दर को बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है.

सांसद चौहान ने सदन में अपनी बात रखते हुए बताया कि वर्तमान मजदूरी दर न केवल प्रदेश की भौगोलिक एवं आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप कम है, बल्कि कई अन्य राज्यों की तुलना में भी न्यून है. बढ़ती महंगाई, न्यूनतम आजीविका की लागत और ग्रामीण परिवारों की आय में कमी के कारण यह दर श्रमिकों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पा रही. मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए सबसे महत्वपूर्ण रोजगार गारंटी योजना है, लेकिन कम मजदूरी के कारण श्रमिकों की भागीदारी घट रही है, जिससे पलायन बढ़ रहा है.

विधायक प्रतिनिधि एवं मंत्री-सांसद हेल्पलाइन के प्रभारी गोविंदा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सांसद चौहान की यह मांग मुख्य रूप से मध्यप्रदेश में मनरेगा मजदूरी दर को शीघ्र अन्य राज्यों के समकक्ष करने की है, ताकि श्रमिकों की आजीविका में सुधार हो और पलायन रुके. यह मांग ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है.

वसूली जमा नहीं कराने पर गिरफ्तारी वारंट जारी

खंडवा. जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नागार्जुन गौड़ा ने बताया कि ग्राम पंचायतों में तत्कालीन सरपंच एवं सचिवों द्वारा वसूली राशि जमा नहीं कराने के कारण तत्कालीन सरपंच एवं सचिवो के विरूद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किये गये हैं. वर्ष 2021-2022 में स्वीकृत सी.सी. रोड निर्माण राधेलाल के घर से सुनिल पाचोली के घर तक एवं नाली निर्माण के कारण ग्राम पंचायत गोडवाडी की तत्कालीन सरपंच संगीताबाई एवं तत्का. सचिव कोमलराम सांगुले के विरूद्ध म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89 अन्तर्गत दिनांक 13.02.2024 को राशि रू. 603000/- का वसूली आदेश पारित कर वसूली राशि जमा कराने हेतु आदेशित किया गया था.

एनएसयूआई ने राज्यमंत्री का फूंका पुतला

नवभारत न्यूज

रीवा, 11 दिसम्बर, प्रदेश की राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के भाई का नाम एक कथित गांजा तस्करी मामले में आने के बाद एनएसयूआई ने पुतला दहन किया गया.

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की गई है. सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही है और अभी तक कोई स्पष्ट कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही. जब तक सरकार निष्पक्ष जांच नहीं कराती, हम चुप नहीं बैठेंगे. मंत्री इस्तीफे दें और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई हो. पुतला दहन में शिवम् मिश्रा, निकिता शर्मा, सत्यम मिश्रा, रॉबिंसन साकेतू, शशिमोल तिवारी, संस्कार त्रिपाठी नित्कर्ष मिश्रा, अनुराग सिंह, अजय सिंह अमर शुक्ला, सानुराग सिंह आदि मौजूद रहे.

नियमों के विरूद्ध किराये पर दी कैंटीने

साल का 21 लाख रुपये का किराया वसूल कर रहा ठेकेदार

मंदसौर, 11 दिसंबर. सरकारी जमीन पर कब्जा करना और फिर उसे बेच देना यह दो मामले गौल चौराहा और महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड पर अभी हाल ही में सामने आयें है.

इससे बड़ा मामला जिला चिकित्सालय परिसर में चल रहा है जिसे जिला चिकित्सालय में विधायक प्रतिनिधि मनोहर नाहटा ने पकड़ा है. विधायक प्रतिनिधि मनोहर नाहटा ने बताया कि जिला चिकित्सालय में मरीजों के भोजन देने के लिए इंदौर की एक कम्पनी का ठेका चल रहा है जिसमें उक्त कम्पनी द्वारा जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को भोजन दिया जाता है. जिसका भुगतान जिला चिकित्सालय द्वारा किया जाता है. लेकिन जिला चिकित्सालय परिसर मे एक बड़ा घोटाला हो रहा है जो अब पकड़ में आया है.

नाहटा ने बताया कि जिला चिकित्सालय परिसर में आगे और पीछे कैटीन संचालित हो रही है. यह कैंटीन जिला चिकित्सालय को टेण्डर प्रक्रिया कर किराये पर देना चाहिए जिसे जिला चिकित्सालय की आय हो लेकिन अभी तो उल्टा ही हो रहा है. इंदौर की भोजन देने वाली कम्पनी ने एक लाख 75 हजार रूपये महीने में दोनों कैंटीन किसी अन्य व्यक्ति को किराये पर दे दी है. पहली बात यह ही भोजन देने वाले टेण्डर की शर्तो में कही भी कैँटीन का जिक्र नहीं है.

3 दिन से भटक रही महिला को परिजनों से मिलाया

बड़वानी। तीन दिन पहले घर से बहन से मिलने के लिए निकली महिला भटकते हुए शहर के नवलपुरा में बैठी थी। स्थानीय निवासी ने रात होने से अकेली महिला की चिंता कर सामाजिक कार्यकर्ता अजित जैन को अवगत कराया। जैन और रोटरी क्लब सचिव ललित जैन तत्काल नवलपुरा पहुंचे। महिला थोड़ी मंदबुद्धि होने से जानकारी सही सांझा नहीं करा पाने के कारण महिला के साथ कोई अनहोनी न हो इसलिए उसे रेन बसेरा में रुकवाया। जहां के सेवादार सौरभ यादव, रितेश वास्कले और राहुल यादव के सहयोग से भोजन कराने के बाद जैन बंधुओं ने महिला से परिजनों की जानकारी पूछी तो महिला ने अपना नाम पूनी और ग्राम का नाम बमनाली बताया।

कम ब्याज पर नया लोन दिलाने का दिया झांसा

स्कूल संचालक से 52 लाख की धोखाधड़ी

इंदौर, 11 दिसंबर. स्कूल संचालक और स्थानीय बीजेपी नेता को कम ब्याज पर नया लोन दिलाने का भरोसा देकर बड़ी रकम ठग ली गई.

तीन आरोपियों ने स्कूल के दस्तावेज और चेक हासिल कर 47 लाख से ज्यादा रकम अपने नजदीकी खाते में डलवाकर लगभग 52 लाख की धोखाधड़ी कर दी. मदर लैंड स्कूल के संचालक के परिवार ने एलआईजी क्षेत्र स्थित निजी बैंक में करंट खाता खोल रखा था, जिसके माध्यम से 2022 में 85 लाख रुपए का लोन लिया था. वर्षों से किस्तें नियमित जमा हो रही थीं. इसी दौरान दो आरोपित एक पिता और उसका बेटा संपर्क में आए. पिता ने बताया कि उसका बेटा बैंक की शाखा में असिस्टेंट मैनेजर है और कम ब्याज पर नया लोन दिलवा सकता है. बेटे ने स्कूल से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज, समेत चेक अपने पास रख लिए और नया ओवरड्राफ्ट जारी होने की बात कहकर विश्वास जगा दिया. उसने यह भी कहा कि पुराना लोन बंद करके नया लोन कम ब्याज दर पर समायोजित कर दिया जाएगा. बाद में 5 लाख रुपए तुरंत भुगतान की मांग भी की. नई प्रक्रिया का भरोसा देकर वह दस्तावेज और चेक लेकर गायब होते गए, कुछ समय बाद पुराने लोन की ईएमआई संबंधी संदेश आना बंद हो गए.

बकायों पर नगर निगम ने की बड़ी सख्ती

इंदौर. प्रॉपर्टी टैक्स न चुकाने वालों के खिलाफ इंदौर और उज्जैन नगर निगम ने गुरुवार को कड़ी कार्रवाई करते हुए दो बड़े शैक्षणिक संस्थानों को सील कर दिया. इंदौर में खालसा कॉलेज और उज्जैन में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज पर करोड़ों का बकाया दर्ज है. इंदौर नगर निगम ने गुरुवार सुबह खालसा कॉलेज के ऑफिस पर ताला जड़ दिया. राजमोहल्ला जोन टीम के अनुसार कॉलेज पर प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया बढ़कर एक करोड़ 76 लाख रुपए हो चुका है. कॉलेज प्रबंधन को बार बार नोटिस दिए गए, 6 दिसंबर को अंतिम नोटिस जारी कर तीन दिन में राशि जमा करने के लिए भी कहा गया था, लेकिन तय समयसीमा बीतने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ. निगम अधिकारियों का कहना है कि बीच में कुछ अंश राशि जमा की जरूर गई, लेकिन कुल बकाया बड़ा होने के कारण कार्यालय सील करना पड़ा. मरोठिया बाजार क्षेत्र में अन्य बकायादारों पर भी कार्रवाई की गई है. उधर उज्जैन में नगर निगम ने गुरुवार को आठ बड़े बकायादारों पर कार्रवाई की, जिन पर कुल एक करोड़ 22 लाख रुपए का टैक्स बकाया है. इनमें सबसे अधिक बकाया सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज का है, जिस पर एक करोड़ एक लाख 20 हजार रुपए दर्ज हैं. निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि 13 दिसंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत से पहले सभी बकायादारों को बिल जारी किए जा चुके हैं.

लूटगैंग — फर्जीवाड़े में 13 लडक़ी और 6 लडक़ों को पुलिस ने हिरासत में लिया

शेयर मार्केट के नाम पर कई फर्जीवाड़े उजागर

शाजापुर, 11 दिसंबर. शाजापुर शहर में कभी नौकरी के नाम पर, कभी इन्वेस्टमेंट के नाम पर, कभी शेयर मार्केट के नाम पर कई फर्जीवाड़े उजागर हुए हैं.

शहर में आज भी किराये का मकान लेकर लोगों को नौकरी के नाम पर शेयर मार्केट के नाम पर लूटा जा रहा है. ऐसा ही एक मामला साइबर पुलिस उज्जैन ने पकड़ा. गिरवर रोड पर साहिल और फहीम एक किराये के मकान में स्वास्तिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के नाम से शेयर मार्केट के फर्जीवाड़े को संचालित कर रहे थे. लोगों का पैसा लगाकर उन्हें शेयर मार्केट के नाम पर लूटा जा रहा था. इस लूट गैंग में 13 युवतियां और 6 युवकों को पुलिस ने धर दबोचा. उज्जैन से आई साइबर टीम ने 19 लोगों को हिरासत में लिया और जिस मकान में ये फर्जीवाड़ा चल रहा था, उसे सील कर दिया. गौरतलब है कि शाजापुर के गिरवर क्षेत्र में 13 हजार रुपए प्रतिमाह किराये के मकान में पिछले कई महीनों से साइबर अपराध के तहत लोगों को शेयर मार्केट में पैसा लगाने की पूरी गैंग काम कर रही थी.

जो लोगों को फोन करके शेयर मार्केट के बारे में जानकारी देते थे और अपनी फर्जी अकाउंट में लोगों से पैसा डलवाते थे. शिकायत के बाद उज्जैन साइबर पुलिस ने आज दबिश दी. लगभग 3 से 4 घंटे की कार्यवाही में 19 लोगों को हिरासत में लिया. लोगों को एडवायजरी के नाम पर धोखाधड़ी का केंद्र चलाया जा रहा था. डीएसपी लीना मारोठ ने बताया कि धोखाधड़ी का यह फर्जीवाड़ा लंबे समय से चल रहा था. जिसकी सूचना मिलने पर राज्य साइबर सेल पुलिस की टीम ने यह कार्यवाही की.

2022 से 2025 तक आय एवं व्यय के बजट का ऑडिट कराएं

सिंगरौली. कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में सिविल सर्जन द्वारा पूर्व में समिति के द्वारा बजट के तहत चिकित्सालय में किए गए व्यवस्थाओ एवं किए गए आय एवं व्यय के बारे में जानकारी से अवगत कराया गया. जानकारी पश्चात कलेक्टर ने निर्देशित किया कि समिति को अपने बजट का उपयोग पूरी निपुणता के साथ करें। समिति को जितनी भी मांग प्रस्तावित की जाती है, उनका गहन परीक्षण कर ही उनके संबंध में बजट खर्च करें। उन्होंने निर्देशित किया कि समिति के द्वारा वित्तिय वर्ष 2022 से 2025 तक आय एवं व्यय किए गये बजट का ऑडिट कराएं।

प्रवीण सहित 4 आरोपी हाईकोर्ट की शरण में

- दस्तावेज पेश करने मिली मोहलत

जबलपुर, 11 दिसंबर. छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड में हुई 25 बच्चो की मौत के मामले में गिरफ्तार डॉ प्रवीण सोनी सहित उनकी पत्नी सहित चार आरोपियों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

चारो याचिकाओं पर गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने समय प्रदान करने के आग्रह किया गया। हाईकोर्ट जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल ने याचिका पर अगली सुनवाई 17 दिसंबर को निर्धारित की है।

छिंदवाड़ा निवासी डॉ प्रवीण सोनी की तरफ से दायर की गयी जमानत याचिका में कहा गया था कि सन फार्मा द्वारा बैच नम्बर एसआर 13 में मिलाये गये सॉल्वेंट के कारण बच्चो की मौत हुई है। औषधि विभाग कफ सिरप की जांच करता तो यह घटना घटित नहीं होती। उक्त कंपनी का रजिस्ट्रेशन है और वह कई सालों से उक्त कफ सिरप की बिक्री हो रही है।

उनकी पत्नी ज्योति सोनी तथा एक अन्य फॉरमेंस्टिक की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निर्माता नहीं है। उनके पास से माल कंपनी ने भेजा था, उन्होने उसे सिर्फ बेचा था।

विक्रम अवार्ड-2023 के आयोजन पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने साहसिक खेलों के लिए दिए जाने वाले विक्रम अवार्ड-2023 का आयोजन करने पर अंतरिम रोक लगा दी। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने कहा है कि मामले की अगली सुनवाई तक आयोजन नहीं किया जाए।

जस्टिस एकलपीठ ने दूसरी दावेदार भावना डेहरिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई 5 जनवरी 2026 को निर्धारित की है। यह मामला सीहोर निवासी पर्वतारोही मेघा परमार की ओर से दायर किया गया है।